प्रेस–विज्ञप्ति

ग्रिड फेल होने में उत्तर प्रदेश का कोई रोल नहीं

लखनऊ, 31 जुलाई 2012:

मध्यान्ह 1.00 बजे ग्रिड फेल होते ही शक्ति भवन के नियंत्रण कक्ष के सभी अधिकारी विद्युत व्यवस्था को पूर्ववत् करने हेतु तत्काल कार्य में लग गए। उचित निर्देश देने हेतु अवस्थापना एवं औद्योगिक आयुक्त, प्रमुख सचिव ऊर्जा तथा अध्यक्ष उ.प्र. पावर कारपोरेशन लि., अनिल कुमार गुप्ता एवं प्रबन्ध निदेशक, इ. ए पी मिश्रा भी नियंत्रण कक्ष में पहुँच गए।

विद्युत कार्यप्रणाली नियंत्रण कक्ष के अधिकारियों द्वारा बताया गया कि ग्रिड फेल होने के समय उत्तर प्रदेश की विद्युत प्रणाली सामान्य थी और कोई भी आपातकालीन स्थिति नहीं थी। ग्रिड फ्रिक्वेन्सी भी 49.7 थी जो ग्रिड की सुरक्षा के लिए 49.5 से 50.2 के बीच होनी चाहिए। ग्रिड से ओवरड्राल मात्र 40 मेगावाट था जबकि उ.प्र. राज्य विद्युत उत्पादन निगम का स्वयं के विद्युत गृहों से एक्स–बस उत्पादन 2200 मेगावाट था। केन्द्रीय क्षेत्र से अनुमत सीमा में आयात 3339 मेगावाट था। ग्रिड की अनुमत क्षमता एवं उपलब्ध कराई जा रही ऊर्जा क्षमता नियंत्रित थी। अतः प्रदेश में कुछ भी असामान्य नहीं था।

अवस्थापना एवं औद्योगिक आयुक्त, प्रमुख सचिव ऊर्जा तथा अध्यक्ष उ.प्र. पावर कारपोरेशन लि., अनिल कुमार गुप्ता द्वारा बताया गया कि ग्रिड फेल होने के विषय में उत्तर प्रदेश पावर कारपोरेशन लि. की कार्यविधि में कोई दोष प्रतीत नहीं हो रहा है। प्रणाली विद्युत का आकस्मिक उतार–चढ़ाव किसी बड़ी पारेषण लाइन के आकस्मिक रूप से ट्रिप हो जाने के कारण आया हुआ प्रतीत हो रहा है जिससे ग्रिड फेल हुआ। इस संबंध में विस्तृत जाँच की आवश्यकता है।

अवस्थापना एवं औद्योगिक आयुक्त, प्रमुख सचिव ऊर्जा तथा अध्यक्ष उ.प्र. पावर कारपोरेशन लि., अनिल कुमार गुप्ता द्वारा विद्युत अभियन्ताओं को ऊर्जा प्रणाली सामान्य करने हेतु सभी प्रयत्न करने एवं ग्रिड डिसीप्लीन का कठोरता से पालन करने के निर्देश दिए। उन्होंने इस कठिन परिस्थिति में विद्युत उपभोक्ताओं से ऊर्जा बचत करने एवं अपव्यय रोक कर विद्युत विभाग को सहयोग देने की अपील की।

के. के. सिंह 'अखिलेश'
जनसम्पर्क अधिकारी
9415901139